कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में लेखन की क्षमता में कमजोरियों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की

आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध-प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
डॉ. [illegible]
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
[illegible]
एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल

2008-2009

कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में लेखन की क्षमता में कमजोरियों का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

89

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध-प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
डॉ.यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
हर्षिदा पटेल
एम.एड्. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं हर्षिदा पटेल एम.एड्. (आर.आई.ई) यह घोषणा करती हूँ कि ''कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में लेखन की क्षमता में कमजोरियों का अध्ययन'' नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध 2008–2009 में डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण प्रवाचक शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं।

इस शोध में किये गये प्रदत्त एवं सूचनाएँ विश्वसनीय तथा मूल स्त्रोतों से प्राप्त की गई हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड्. (आर.आई.ई) 2008–2009 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। इस लघु शोध का उपयोग अन्य उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थानः भोपाल

दिनांकः 27।04।09

Patel
27।04।09
शोधकर्ता

हर्षिदा पटेल
एम.एड् (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(N.C.E.R.T.) भोपाल

प्रमाण –पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (एन.सी.ई.आर.टी.) के एम.एड. (आर.आई.ई.) की छात्रा हर्षिदा पटेल ने मेरे मार्गदर्शन में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित सन् 2008–2009 की एम.एड. (आर.आई.ई) उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु– ''कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में लेखन की क्षमता में कमजोरियों का अध्ययन'' विषय पर विश्वसनीय शोधकार्य किया हैं। यह लघुशोध प्रबंध इनकी मौलिक कृति हैं।

स्थानः– भोपाल

दिनांकः– 27/04/09

डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण
(प्रवाचक)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल।

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध संबंधी कार्य के निर्देशन का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण प्रवाचक (शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का हैं। जिनके निरंतर आत्मीयता और वात्सल्यपूर्ण सहयेाग एवं मार्गदर्शन में यह शोध कार्य पूर्ण हो सका। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध आपके द्वारा दिये गये धैर्य, आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय सहयोग का प्रतिफल हैं जिन्होंने मुझे स्वंय के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया हैं। अतएव मैं उनकी आभारी हूँ।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. विजय सुनवानी एवं डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा एम.एड्. पूर्व प्रभारी डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण एवं एम.एड्. प्रभारी डॉ.के.के. खरे, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. बी.रमेश बाबू, डॉ. एम.यू. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीति खरे, डॉ. बासन्सी खारलुखी, श्रीमती अंजुली सुहाने के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हदय से आभारी हूँ, एवं शिक्षा विभाग के सभी गुरूजनों की मैं हदय से आभारी हूँ।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों की भी हदय से आभारी हूँ।

मैं अपने आदरणीय माता-पिता, बड़ी बहन, छोटे भैय्या एवं स्नेहिल सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इस शोध कार्य को पूर्ण करने में अपना आत्मीय सहयोग प्रदान किया।

Patel
27/04/09
शोधकर्ता

स्थानः भोपाल

दिनांकः 27/04/09

हर्षिदा पटेल
एम.एड्. (आर.आई.ई.)छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(N.C.E.R.T.) भोपाल

अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

- ❖ घोषणा पत्र
- ❖ प्रमाण पत्र
- ❖ अभार ज्ञापन

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय– प्रथम	शोध परिचय	1–14
1.1	भूमिका	
1.2	राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी भाषा का महत्व	
1.3	शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्व	
1.4	हिन्दी भाषा के कौशल	
1.4.1	लेखन कौशल	
1.4.2	लेखन कौशल का महत्व	
1.5	क्षमता क्या है ?	
1.5.1	शिक्षा में क्षमता का महत्व	
1.5.2	क्षमता की विशेषताएँ	
1.5.3	बालक की क्षमता की कमजोरियों का विवरण	
1.6	समस्या की पूर्व भूमिका	
1.7	समस्या का प्राकथन	
1.8	पदों व संकल्पनाओं की परिभाषा	
1.9	अध्ययन की आवश्यकता	
1.10	उद्देश्य	
1.11	परिकल्पनाएँ	
अध्याय द्वितीय	संबंधित शोध साहित्य का पुनरावलोकन	15–21
2.1	भूमिका	
2.2	संबंधित साहित्य के अवलोकन का महत्व	
2.3	समस्या से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	

2.3.1 भारत में किये गये शोधकार्य

2.3.2 एम.एड् स्तर पर हुए शोधकार्य।

अध्याय- तृतीय शोध प्रविधि एवं प्रकिया 22-33

3.1 भूमिका

3.2 शोध-प्रविधि

3.3 शोध अध्ययन में प्रयुक्त चर

3.4 न्यादर्श का चयन

3.5 उपकरण का निर्माण

3.6 प्रदत्तों का संकलन

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्याय- चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण 34-46

4.1 भूमिका

4.2 परिकल्पनाओं का विवरण

4.3 लेखन क्षमताओं की स्थिति

अध्याय- पंचम शोध निष्कर्ष एवं सुझाव 47-51

5.1 भूमिका

5.2 अध्ययन के उद्देश्य

5.3 परिकल्पनाएँ

5.4 निष्कर्ष

5.5 सुझाव

5.5.1 प्राथमिक शाला में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को सुझाव

5.5.2 प्राथमिक शाला के शिक्षको को सुझाव

5.6 भावी शोध हेतु सुझाव

5.7 शैक्षिक उपयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची 52-53

परिशिष्ट i- ii